

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परीषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2011

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-1

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (साधारण ज्योतिष)

- सत्य अथवा असत्य बताएं। यदि असत्य है तो सत्य उत्तर दें :-
 - ताजिक नीलकण्ठी के रचयिता पृथ्वीराज हैं।
 - ज्योतिष का गणितीय भाग "संहिता" से संबंध रखता है।
 - पुनर्जन्म कर्म सिद्धान्त का आधार है।
 - "होरा" छः वेदानों में से एक है।
 - अथर्व वेद सबसे प्राचीनतम वेद है।
 - 2, 6 व 10 वें भाव काम त्रिकोण कहलाते हैं।
 - सूक्ष्म शरीर मृत्यु उपरान्त समाप्त हो जाता है।
 - संचित किए हुए कर्म आगामी कर्म कहलाते हैं।
 - पराशर ऋषि ने सारावली की रचना की थी।
 - जन्मांग में 1, 4, 7 और 10 भाव कर्म स्थान कहलाते हैं।
- ज्योतिष क्या है व उसका क्या आधार है? क्या ज्योतिष विज्ञान है?
- किन्हीं दो का उत्तर दें :-
 - नव ग्रहों का भगवान विष्णु के किन अवतारों से संबंध है?
 - स्वतन्त्र इच्छा शक्ति का क्या महत्व है?
 - संचित एवं प्रारब्ध कर्म में क्या भेद है?
- कौन से क्रियमान कर्म संचित कर्मों में नहीं जुड़ते हैं? उन्हें जानने की क्या आवश्यकता है? एक ज्योतिषी इनका मार्ग दर्शन में किस प्रकार प्रयोग करता है?
- ज्योतिषी एक बहुमुखी वैज्ञानिक, एक बुद्धिजीवी, एक मनोवैज्ञानिक, आध्यात्मिक और इन सब से बढ़कर एक अच्छा मार्ग दर्शक होता है। आप इससे कहाँ तक सहमत हैं? अच्छे ज्योतिषी की क्या विशेषताएँ हैं?

भाग-II (ज्योतिष से सम्बंधित खगोल शास्त्र)

- निम्न का उत्तर दें :-
 - वासुदेव संज्ञात व मेष का प्रथम बिन्दु एक ही बात हैं।
 - कलयुग का विस्तार सम्पातिक वर्ष है।
 - विषुवत रेखा के समानांतर काल्पनिक रेखाओं को कहते हैं।
 - हैली धूमकेतु की आवृत्ति वर्षों की है।
 - सम्पात बिन्दु प्रतिवर्ष दर से धीरे धीरे पीछे (पश्चिम की ओर) खिसक रहा है।
 - सायन भोगांश = +
 - सूर्य से चन्द्रमा के भोगांश में अंश की बढ़ोतरी से एक तिथि बदलती है।
 - पृथ्वी व चन्द्रमा के परिक्रमा कक्ष के तल एक दूसरे से अंश पर हैं।
 - क्रान्ति वृत्त का वह भाग, जिसके अन्तर्गत सभी ग्रह भ्रमण करते हैं, कहलाता है।
 - पृथ्वी के वृत्त के बाहर स्थित ग्रह कहलाते हैं।
- ग्रहों के वक्रत्व से आप क्या समझते हैं? क्या वक्री ग्रह पृथ्वी से अधिक चमकदार प्रतीत होते हैं? यदि हाँ, तो क्यों?
- एक चित्र के माध्यम से दिखाएं कि चन्द्रमा किस प्रकार पूर्णिमा को सम्पूर्ण दिखाई देता है व अमावस्या को बिल्कुल नहीं दिखाई देता। साथ ही यह बताएं कि चन्द्रमा का सदा एक ही भाग क्यों दिखाई देता है?
- पंचांग क्या है? प्रत्येक अंग का क्या महत्व है? क्या विभिन्न स्थानों का पंचांग समान होता है? क्यों?
- किन्हीं चार का उत्तर दें:
 - अयनांश ii) राहु और केतु iii) क्षय तिथि iv) अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा v) मानक समय